सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 11 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 12 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

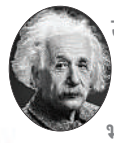

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

कंगारूओं ने तोड़ा भारतीय युवाओं का... 7
भारत रत्नों के सहारे वोटों के खजाने... 3
प्रदेश में न्याय यात्रा का होगा... 2

किसानों के ऐलान से उड़ी मोदी सरकार की नींद

कल भारी संख्या में दिल्ली पहुंचेंगे अन्नदाता

» सड़कों पर कीलें, सीमेंट की दीवारें और बैरिकेड्स लगे
» दिल्ली के बॉर्डरों पर धारा 144 लागू
» टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर लगीं चौकियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी की मोदी सरकार के नीतियों के खिलाफ एकबार फिर किसानों ने हल्ला बोल दिया है। किसानों के आंदोलन की घोषणा से केंद्र सरकार की नींद उड़ गई है। किसानों की दिल्ली चलो के ऐलान के बाद राजधानी के सीमाओं पर भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। दरअसल किसानों ने एक बार फिर दिल्ली कूच का एलान कर दिया है। 13 फरवरी को किसानों के दिल्ली आने की खबर है। हालांकि 12 को भीड़ जुटी।

जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने किसानों को आने से रोकने के लिए खासे इंतजाम किए हैं। दिल्ली के तमाम बॉर्डर के अलावा सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर ज्यादा एहतियात बरती जा रही है। मिली रिपोर्ट के मुताबिक, किसान मार्च को देखते हुए दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर सड़कों को बंद कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ टिकरी बॉर्डर पर भी बैरिकेड्स लगा दिए हैं। राजधानी दिल्ली के सभी बॉर्डर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिलहाल सिंघु और टिकरी बॉर्डर को सील कर दिया गया है। वहां पर बगैर जांच के किसी भी वाहन को सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि 13 फरवरी को दोनों ही बॉर्डर को बैरिकेडिंग कर पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। वैकल्पिक रास्तों से ही वाहन चालक दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगे। सिंघु बॉर्डर के लिए ट्रैफिक पुलिस ने 12 और 13 फरवरी को लेकर एडवाइजरी जारी की है।

यूपी गेट: गाजीपुर लेन बंद

किसान संगठनों के मंगलवार को दिल्ली जाने से पहले दिल्ली यूपी बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रविवार रात से यूपी गेट गाजीपुर लेन को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया। इससे दिल्ली जाने वाले वाहन चालकों को बड़ी परेशानी हुई। सोमवार सुबह दिल्ली जाने वाले लोगों को भारी मुसीबत झेलनी पड़ सकती है। यूपी गेट-गाजीपुर लेन पर लोहे की बैरिकेडिंग लगाकर दिल्ली जाने वाला रास्ता बंद कर दिया गया। इससे वाहन चालक एनएच 9 से यूपी गेट फ्लाईओवर के नीचे से दिल्ली नहीं जा सके। कई वाहन चालक दिल्ली से आने वाले रास्ते से होकर गाजीपुर मंडी की तरफ निकले।

हंगामा करने वाले किसान होंगे गिरफ्तार

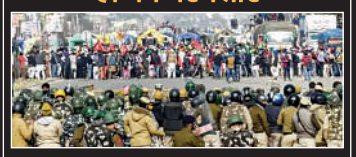

किसानों का वर्ष 2020 जैसा आंदोलन खड़ा करने के इनपुट मिलने के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। पूरी दिल्ली में धारा-144 लागू कर दी गई है। पंजाब-हरियाणा से 20 से 25 हजार किसान ढाई से तीन हजार ट्रैक्टर लेकर दिल्ली आ सकते हैं। किसान सोमवार से दिल्ली पहुंचने शुरू हो गए। किसानों ने ऐलान किया है कि वह जंतर-मंतर व संसद भवन के सामने जाकर प्रदर्शन करेंगे। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हंगामा करने वाले किसानों को तुरंत गिरफ्तार किया जाएगा। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था, जोन-दो) रविंदर सिंह यादव ने बताया कि दिल्ली वासियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसे देखते हुए किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने हरियाणा को ज्यादा फोर्स दी है। दिल्ली को कम फोर्स दी गई है। दिल्ली को 60 से ज्यादा कंपनियां दी गई हैं। हरियाणा को अतिरिक्त फोर्स की 200 से ज्यादा कंपनियां दी गई हैं। ज्यादा किसानों के आने की संभावना को देखते हुए पुलिस के सभी ऑफिस में तैनात स्टाफ को भी सुरक्षा में तैनात किया जाएगा।

नीतीश सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू

» सदन नहीं पहुंचे विधायकों ने बढ़ाई दोनों पक्षों की चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में जदयू-भाजपा की नीतीश सरकार का विश्वास मत प्रस्ताव पर बहस चल रही है। इससे पहले राज्यपाल ने अभिभाषण दिया। इस दौरान सत्ता वे विपक्ष में नोकझोंक भी हुई। सबसे दिल धड़काने वाली बात यह है पांच विधायक सदन में काफी देर तक नहीं पहुंचे इससे जदयू, भाजपा व राजद सभी के पेशानी पर बल आ गया। उधर वर्तमान विस अध्यक्ष ने सदन की अध्यक्षता न करने का फैसला करते हुए इसकी जिम्मेदारी उपाध्यक्ष को दे दी। उपाध्यक्ष से पीठ संभालते हुए विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करा दी।

उधर खबर है कि कुछ राजद विधायक पाला बदलकर जदयू का साथ देंगे। अब 14 दिनों से जिस खेला की चर्चा पूरे देश में है, वह वास्तव में हुआ या नहीं- कुछ घंटे बाद पता चल जाएगा। पक्ष में 128 विधायक थे, विपक्ष में 114 और एक अलग। इससे पहले जदयू- भाजपा ने स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को हटाने की सूचना दी थी। उनके खिलाफ एनडीए सरकार की तरफ से अविश्वास का संकल्प दिया गया है। सीएम नीतीश कुमार सदन में विश्वास मत पेश करेंगे। पक्ष और विरोध में विधायक वोटिंग करेंगे। भाजपा से मिश्रीलाल यादव और रश्मि वर्मा नहीं आई हैं। जदयू विधायक संजीव कुमार रास्ते में हैं। इधर, राजद विधायक चेतन आनंद नीलम देवी सत्तारूढ़ दल के सचेतक के कमरे में बैठाया गया है।

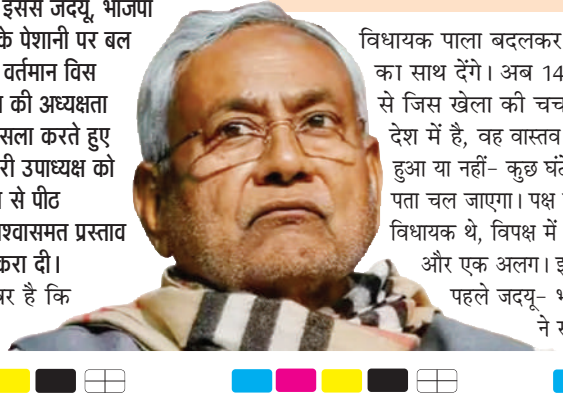

सदन में राजद है सबसे बड़ा दल

बिहार विधानसभा में 243 सदस्य हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 122 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए के पास 128 विधायक हैं, जो बहुमत से छह अधिक है। विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सबसे बड़ा दल है। राजद के पास 79 विधायक हैं। भाजपा के 78 विधायक हैं, जदयू के 45, कांग्रेस के 19, भाकपा माले के 12, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के 4, सीपीआई के 2, सीपीआई (एम) के 2, एआईएमआईएम के 1 और एक निर्दलीय विधायक हैं।

राज्यपाल ने अभिभाषण में सरकार को सराहा

विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों को संबोधित करते हुए राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार सरकार विधि व्यवस्था के लिए सभी आयामों पर काम कर रही है। पूरे राज्य में इमरजेंसी सेवा का विस्तार किया जा रहा है। सात निश्चय योजना को तेज गति से किया जा रहा है। राज्य के हर गांव तक सड़क, बिजली, पानी पहुंची है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग कामों को पूरा करने में जुटा है। युवा शक्ति बिहार की प्रगति के तहत युवाओं पर फोकस कर रही है। युवाओं को रोजगार और उद्यमिता विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

राजस्थान से राज्यसभा पहुंचेंगी सोनिया गांधी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का संसद के उच्च सदन राज्यसभा जाना लगभग तय है। सोमवार (12 फरवरी, 2024) को यह जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई। यह भी बताया गया कि वह राजस्थान के रास्ते राज्यसभा पहुंच सकती हैं। वैसे, इससे पहले चर्चा थी कि सोनिया गांधी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के रास्ते राज्यसभा पहुंच सकती हैं। इस बीच, पार्टी सूत्रों ने पत्रकारों को बताया था कि उनके लोकसभा चुनाव न लड़ने की संभावना है। ऐसा वह स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते कर सकती हैं।

अप्रैल-मई 2024 में होने वाले आम चुनाव (लोकसभा चुनाव 2024) लड़ना और उनके लिए प्रचार में जाना कांग्रेस की सीनियर नेता के लिए बेहद मुश्किल भरा माना जा रहा है। यही वजह है कि सियासी गलियारों में 78 बरस की सोनिया गांधी को लेकर बड़ा सवाल उठा कि क्या वह इस बार यूपी के रायबरेली से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि अगर सोनिया गांधी रायबरेली से नहीं लड़ेंगी तो फिर कौन वहां से ताल ठोंकेगा?

हमारी सरकार में यूपी था खुशहाल : अखिलेश

» बोले-पूरे देश में बनी थी यूपी की पहचान, विकास की करते हैं राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की राजनीति करती है। पूर्व सीएम ने कहा उनके कार्यकाल में यूपी का नाम पूरे देश में हुआ। समाजवादी सरकारों ने प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास किया। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, नौकरी रोजगार को बढ़ाने का काम किया। उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी। शहरों और गांवों को खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ाया। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि समाजवादी सरकार में किए गए कामों से यूपी की पहचान पूरी दुनिया में हुई। जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तब से यूपी का विकास मानो खो गया। भाजपा ने विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया।

भाजपा ने यूपी को पीछे ढकेल दिया। आज यूपी की चर्चा विकास के बजाय बढ़ते अपराधों, उत्पीड़न, चरम पर पहुंची महंगाई, बेरोजगारी और अन्य वजहों से हो रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अयोध्या में अंडरग्राउंड बिजली केबिल बिछाने के साथ मेडिकल कॉलेज निर्माण, अयोध्या व फैजाबाद में 300 इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण के साथ लोहिया योजना के तहत समग्र गांवो का विकास किया गया। समाजवादी सरकार ने ही अयोध्या में भजन स्थल का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि परिक्रमा पथ के किनारे पौराणिक वृक्ष लगाए गए। घाटों पर चेंज रूम के निर्माण के साथ प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण किया गया। अयोध्या में संत नृत्य गोपाल दास के मठ के सामने बड़ी सीसी रोड का निर्माण कराया गया। मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का भी विकास कराया गया। वृंदावन को ए ग्रेड की नगर पालिका बनाया गया। गोवर्धन विधानसभा में तहसील बनी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वाराणसी में वरुणा नदी पर कई पुलों का निर्माण हुआ। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा का एक ही काम है समाजवादी सरकार के कामों को अपना बताना और समाजवादी निर्माण कार्यों को अपने नेताओं का नाम देना। आने वाले चुनाव में आम मतदाता भाजपा को सबक सिखाएगी।

भाजपा-सपा से सावधान रहें मतदाता : विश्वनाथ पाल

बसपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- दोनों पार्टियां उद्योगपतियों के हाथों बिकी हुई लोकसभा चुनाव को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी हो रही है। विधानसभा क्षेत्र के गांव सेमरा में बसपा का सेक्टर स्तरीय कैडर कैंप आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव की तैयारी के क्रम में सर्व समाज के लोगों को बसपा के पक्ष में एक जुट करने के साथ भाजपा और सपा के झूठे प्रचार तंत्र से मतदाताओं को सावधान किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दोनों पार्टियां उद्योगपतियों के हाथों बिकी हुई है। इनसे गरीबों के हित की बात करना बेमानी है। प्रदेश अध्यक्ष ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के पीडीए गठबंधन को जुमलेबाजी बताया और कहा कि अखिलेश सरकार ने दलितों और पिछड़ों का नुकसान करने के अलावा

और कोई काम नहीं किया। कैडर कैंप का संचालन जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार ने किया। इस दौरान नसता जायसवाल, जिला प्रभारी राम अभिलाष बौद्ध, बामसेफ जिला संयोजक संजीव भारती, लक्ष्मण प्रसाद, राम करन, कमलेश कुमार, जुबेर अहमद, राजाराम, विजय कुमार, डॉ. घनश्याम कश्यप, आरएस चक्रवर्ती, ओमप्रकाश, मिश्रीलाल, लक्षनदास आदि मौजूद रहे।

धर्म के ठेकेदारों ने देश को किया तबाह : स्वामी प्रसाद

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत को धर्म के ठेकेदारों ने गरीब और लाचार बना दिया है। विफलता छिपाने के लिए धर्म और राम के नाम का ढिंढोरा पीट रहे हैं। ये बातें उन्होंने रविवार को बाजार शुकुल में आयोजित संविधान संगोष्ठी एवं सामाजिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में सवाल पूछा गया कि आपकी पार्टी के ही मनोज आप पर मानसिक रूप से विक्षिप्त होने का आरोप लगा रहे हैं। इसपर स्वामी प्रसाद ने कहा कि इसका बेहतर उत्तर वही दे सकते हैं, जिन्होंने इस तरह का आरोप लगाया है। इस देश के दलित, आदिवासियों, पिछड़ों पर जो जुल्म व अत्याचार करना अधिकार मानते हैं, जो हमें जानवर से बदतर जीवन जीने की परिस्थितियां पैदा करते हैं, वह हमारी तारीफ कैसे कर सकते हैं। असल में मनोज सपा में भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। सरकार पर ईडी के माध्यम से विपक्षी नेताओं को परेशान करने का आरोप लगाया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। कहा कि लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र को निगलने की तैयारी है।

प्रदेश में न्याय यात्रा का होगा जोरदार स्वागत : कांग्रेस

» बदले रूट से पूरी होगी राहुल की न्याय यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी की यात्रा यूपी के कुछ जगहों में बदलाव के साथ गुजरेगी। सूत्रों के अनुसार भाजपा के साथ रालोद की बढ़ती करीबी का पहला असर राहुल गांधी की उत्तर प्रदेश में होने वाली न्याय यात्रा में पड़ता दिख रहा है। इंडिया गठबंधन से रालोद के पैर पीछे खींचने के बाद उत्तर प्रदेश में राहुल की यात्रा अब पश्चिमी यूपी में नहीं जाएगी। राहुल की यात्रा का उत्तर प्रदेश में संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार अब राहुल की यात्रा यूपी में 16 से 21 फरवरी तक (छह दिन) रहेगी। इसमें चार दिन की कटौती की गई है।

राहुल की यात्रा का पार्टी की ओर से संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार अब राहुल की यात्रा 16

फरवरी को चंदौली से यूपी में प्रवेश करेगी। यहां पदयात्रा के बाद रात्रि विश्राम होगा। 17 फरवरी को वाराणसी में गोलगड्डा से यात्रा की शुरुआत होगी। राहुल काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे और गोदौलिया पर सभा। यहां से यात्रा भदोही पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। 18 फरवरी को पूरे दिन यात्रा प्रयागराज में रहेगी। 19 फरवरी को यह प्रतापगढ़ की रामपुर विधानसभा क्षेत्र के अठेहा से निकलकर अमेठी विधानसभा के केकवा में दाखिल होगी।

जया बच्चन सपा से रास के लिए भरेंगी पर्चा

» भाजपा ने सुधांशु को फिर दिया टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने जया बच्चन को पांचवीं बार राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। वह सोमवार या मंगलवार को पर्चा भर सकती हैं। वह वर्ष 2004 से सपा की राज्यसभा सदस्य हैं। इसके अलावा सपा दो और प्रत्याशियों को उतारेगी। इनमें सपा महासचिव रामजी लाल सुमन का नाम भी आगे बताया जा रहा है। वह पहली बार 1977 में फिरोजाबाद से लोकसभा का चुनाव जीते थे। केंद्र की चंद्रशेखर सरकार में मंत्री भी रहे हैं। उसके बाद वह सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के साथ आ गए।सपा को राज्यसभा की तीन सीटें जीतने के लिए 112 मत चाहिए। इस चुनाव में विधायक मतदान करेंगे।

सपा के पास वर्तमान में 108 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के दो विधायकों का समर्थन भी उसे मिलना तय है। सपा सूत्रों

का कहना है कि रालोद और सुभासपा के टिकट पर उसके तीन-तीन नेता चुनाव जीते हैं। इसलिए आवश्यक मत जुटाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। वहीं भाजपा ने सुधांशु त्रिवेदी को एक बार फिर उत्तर प्रदेश से राज्यसभा का टिकट दिया है। अक्टूबर 2019 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए त्रिवेदी की पहचान एक विश्लेषक, विचारक और राजनीतिक सलाहकार के तौर पर की जाती है। वर्तमान में वह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। विभिन्न मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए विख्यात सुधांशु त्रिवेदी पर भाजपा ने एक बार फिर भरोसा किया है।

बंगाल राज्यसभा चुनाव में सागरिका घोष और सुष्मिता देव होंगे टीएमसी के उम्मीदवार

कोलकाता। टीएमसी ने राज्य मे आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पत्रकार सागरिका घोष, पार्टी नेता सुष्मिता देव और दो अन्य लोगो के नामो की घोषणा की। पश्चिम बंगाल की पांच राज्यसभा सीट के लिए 27 फरवरी को चुनाव होंगे। टीएमसी ने कहा, हमे आगामी राज्यसभा चुनावो के लिए सागरिका घोष, सुष्मिता देव, मोहम्मद नदीमुल हक और ममता बाला ठाकुर की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। टीएमसी ने कहा, हम उन्हे हार्दिक शुभकामनाएं देते है और आशा करते है कि वे हर भारतीय के अधिकारो की रक्षा के लिए अदम्य भावना और मुखर होने की तृणमूल की स्थाई विरासत को बनाए रखने की दिशा मे काम करे। टीएमसी की ओर से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके नदीमुल हक को एक बार फिर से इसके लिए उम्मीदवार बनाया गया है। वही, तीन मौजूदा सांसदो - सुभाशीष चक्रवर्ती, अबीर विश्वास और शांतनु सेन को फिर से नामांकित नही करने का निर्णय पार्टी की रणनीति मे एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतीक है। सागरिका घोष अभी तक आधिकारिक तौर पर टीएमसी मे शामिल नही हुई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

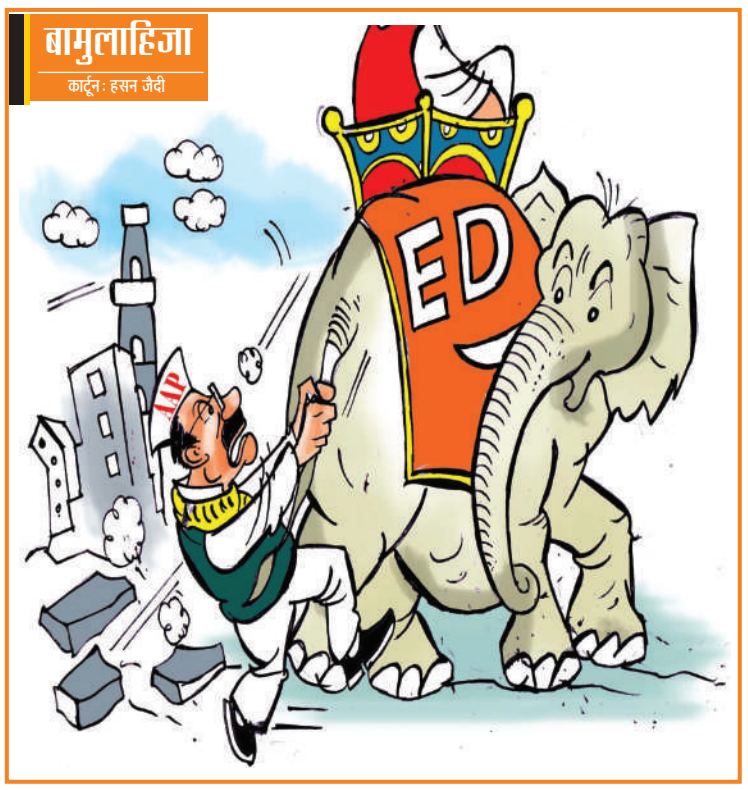

कश्मीर के नागिरकों की कराई जा रही जासूसी : उमर अब्दुल्ला

» बोले- युवा बेरोजगार और बाहरी लोगों को दिए जा रहे ठेके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में गैर-स्थानीय युवकों की लक्षित हत्याओं की निंदा करते हुए भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश में हालात सामान्य होने का दावा करती हैं, लेकिन यहां तो आम नागरिक भी सुरक्षित नहीं है। उमर ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपने ही नागिरकों की जासूसी कराई जा रही है। अब पुलिसकर्मी घर-घर जाकर पूछताछ कर रहे हैं।

पूरे खानदान की तस्वीरें व अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं, जबकि ये काम जनगणना विभाग

का होता है। सरकार को अब अपने ही लोगों पर भरोसा नहीं रह गया है। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में लोगों को परेशान किया जा रहा है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। प्रदेश में सभी ठेके बाहरी लोगों को दिए जा रहे हैं। बिजली, पानी, रेत व अन्य संसाधन बाहर भेजे जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर में सालों से चुनाव नहीं कराए गए हैं। परिसीमन का बहाना कर निकाय-पंचायत चुनाव को भी टाल दिया गया। जबकि इन्हें पहले ही परिसीमन पूरा कर लेना चाहिए था।

भारत रत्नों के सहारे वोटों के खजाने पर कब्जे की तैयारी

कांग्रेस बोली नियमों को ताक पर रख रही भाजपा सरकार

विपक्ष ने कहा पुरस्कारों से कर रहे सौदेबाजी

» मोदी ने गड़ाई 2024 के चुनावों पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में हर चीज पर राजनीति होना आम बात है। हालांकि इसमे कोई नई बात नही है। पर यह बाते विवाद में तब आ जाती हैं जब सता से जुड़े लोग इसका इस्तेमाल अपनी चुनावी फायदे के लिए करने लगते हैं। जैसे अभी तक राम मंदिर निर्माण कराने का श्रेय लेने में जुटी बीजेपी इसको 2024 लोस चुनाव भुनाने की जुगत भी लगी हुई है। बीजेपी नेता हर मंच पर इसको उठाकर जनता से वोट देने की अपील करती नजर आती है। वहीं अब नया सियासी मुद्दा भारत रत्न हो गया है।

उधर विपक्ष ने हमला करते हुए कहा है बीजपी और मोदी पुरस्कारों के बहाने सौदबाजी कर रह हैं। बीजेपी सरकार ने हाल ही में कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण अडवाणी, चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिंहा राव व स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की। इसमें कर्पूरी, अडवाणी, चौधरी चरण व पीवी नरसिंहा राजनीतिक व्यक्ति है। इन चारों को अपने-अपने क्षेत्रों में नाम है। इनके नाम से जनता जुड़ी है। इनके नाम से प्रभावित भी होती है। ऐसे में इन चारों को भारत रत्न देने की घोषणा कर बीजेपी व पीएम मोदी ने बिहार, यूपी, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र के करोड़ों वोटरों को साधने की कोशिश की है। अब देखना होगा कि उनकी यह कोशिश कितनी कामयाब होती है। सबसे बड़ी बात तीनों नाम भी ऐसे थे, जिनमें से दो राजनीति के होते हुए भी जिनका भाजपा या उसके पहले जनसंघ से कोई लेना-देना नहीं था, बल्कि एक तो लगातार मोदी के निशाने पर रहनेवाली पार्टी कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव थे। जिस तरह कर्पूरी ठाकुर के नाम ने चौंकाया, लालकृष्ण आडवाणी के नाम ने आश्वस्त किया, उसी तरह जनता को नरसिंह राव के नाम ने चमत्कृत किया, चौधरी चरण सिंह के नाम ने थोड़ा ही सही, लेकिन झटका दिया और एम एस स्वामीनाथन के नाम ने आश्वस्त किय। अब तक कुल पांच घोषित भारत-रत्नों से मोदी 2024 के आम चुनाव की राजनीति साध रहे हैं, ऐसा भी कहा गया।

धरतीपुत्र चौधरी चरण सिंह सबके : जयंत

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत सिंह न कहा कि 'धरतीपुत्र चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न देने भर से किसानों की समस्याओं व उनकी चुनौतियों का समाधान नहीं निकलता है लेकिन इससे आने वाले सालों में

झोपड़ियों में पैदा होने वाले व्यक्ति को भी चौधरी चरण सिंह बनने, 'भारत रत्न पा सकने और अपनी समस्याओं के समाधान करने का हौसला जरूर मिलेगा। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने के फैसले पर राज्यसभा में अपनी बात रखते हुए उन्होंने इसे देश के किसानों व वंचित समाज को सशक्त करने वाला फैसला करार दिया और कहा कि मौजूदा सरकार की कार्यशैली में भी चरण सिंह के विचारों की झलक है और एक 'जमीनी सरकार ही 'धरतीपुत्र को भारत रत्न दे सकती है, जयंत सिंह, चौधरी चरण सिंह के पोते हैं। उन्होंने कहा, ''यह फैसला सिर्फ चौधरी चरण सिंह के परिवार तक सीमित नहीं है बल्कि देश का किसान और वंचित समाज का व्यक्ति जो आज भी मुख्यधारा में नहीं है, उनको सशक्त करने वाला फैसला है।

उधार के नायकों से काम चला रही बीजेपी : विपक्ष

कई बार मोदी के विरोधी यह भी आरोप लगाते हैं कि भाजपा या उसकी मातृ-संस्था आरएसएस के पास चूंकि अपने नायक नहीं हैं, इसलिए वह उधार के नायक ले रहे हैं, भीमराव अंबेडकर को भारत-रत्न भले 1990 में वी पी सिंह की सरकार ने दिया था, लेकिन उसमें भाजपा का समर्थन शामिल था। नरेंद्र मोदी की सरकार ने आंबेडकर के जितने स्मारक बनाए, जिस तरह बार-बार उनको याद किया और लोगों को याद दिलाया, वह हम सभी ने देखा है। सरदार पटेल की सबसे बड़ी मूर्ति बनाना हो या सुभाष बोस की मूर्ति को कर्तव्य पथ पर लगाना, मोदी लगातार बहुत सलीके से नेहरू और गांधी के पूरे देश के मानस पर छाए कब्जे को हटाते चले गए।

मंडल-कमंडल और किसानी सबको साधा

प्रधानमंत्री मोदी ने आडवाणी को भारत-रत्न की घोषणा कर भाजपा के कोर वोटरों को पहले ही खुश कर दिया है, जो उग्र हिंदुत्व की अपेक्षा इस पार्टी से रखते हैं. उनके साथ ही कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न देकर उन्होंने कमंडल को भी साधने की कोशिश की है. बिहार में नाई अति पिछड़ा वर्ग में आते हैं और नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव ने गुरु होते हुए भी कर्पूरी ठाकुर को जुबानी जमाखर्च के वह सम्मान कभी नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे। भले ही उनको भारत-रत्न की घोषणा होते ही राजद और जेडीयू ने पुरानी फाइल खबरें लगा दीं कि उन्होंने तो पहले ही मांग की थी, लेकिन लालू हों या नीतीश, दोनों ही मुख्यमंत्री भी रहे, केंद्र सरकार में ताकतवर मंत्री भी, लेकिन कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न देकर मोदी ने यह उपलब्धि भी अपने खाते में डाल ली। एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न देकर दक्षिण भारत को एक और संदेश तो दिया ही गया है, उसके साथ ही किसानी का जो बौद्धिक वर्ग है, उसको भी साधा गया है।

कांग्रेस को दिया झटका

नरसिंह राव को भारत-रत्न देकर प्रधानमंत्री मोदी ने इसके जरिए उन्होंने न केवल उत्तर-दक्षिण भारत के बीच बंटी बातों को दबाने की कोशिश की है, यहां ध्यान रखना होगा कि कृषि विज्ञानी एम एस स्वामीनाथन भी दक्षिण भारतीय ही हैं, बल्कि सोनिया गांधी के लिए खासी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। पीएम मोदी ने पहला निशाना तो यह

साधा कि जब बात सम्मान देने की आती है, तो वह दलगत आधार पर विभाजन नहीं करते और देश की अर्थव्यवस्था को खोलनेवाले, देश को नए युग में ले जानेवाले नायकों जैसे नरसिंह राव का भी सम्मान करते हैं, भले ही वह कांग्रेस से ही क्यों न हों? प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरा और सबसे बड़ा निशाना दक्षिण और उत्तर के विभाजन को मिटाने के लिए दक्षिण को साफ संदेश देकर साधा है। उन्होंने यह साफ कर दिया है कि उनके लिए यह विभाजन मायने नहीं रखता है, जिसकी बात कांग्रेस कर रही है। पी वी नरसिंह राव को भारत रत्न देकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मतदाताओं को मोदी ने अपने साथ लाने की जुगत बिठा दी है, लेकिन सोशल मीडिया के इस जमाने में कांग्रेस की मुश्किलें बहुत बढ़ा दी हैं।

भारत रत्न देना उचित पर राजनीति अनुचित : खरगे

उधर जयंत चौधरी जब अपनी बात रख रहे थे तब कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्हें किस नियम के तहत बोलने का अवसर दिया गया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जिन भी शख्सियतों को भारत रत्न देने की घोषणा की गई है उस पर कोई वाद-विवाद नहीं है लेकिन किस नियम के अधीन जयंत चौधरी को बोलने का मौका दिया गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्य नियमों के अधीन भी मुद्दा उठाना चाहते हैं तो उन्हें 'चुप करा दिया जाता है. उन्होंने आसन के व्यवहार पर सवाल उठाए, जिस पर सभापति धनखड़ ने गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे उन्हें बहुत ठेस पहुंची है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत रत्न गलत नहीं है पर उसका प्रयोग वोट मांगने के लिए

करना ठीक नहीं है। उधर इन सबके बीच सभापति ने सदन को बताया कि जयंत चौधरी ने सुबह उन्हें एक पत्र लिखा था कि वह चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा पर सदन में 'कुछ बोलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी चरण सिंह के पोते हैं इसलिए उन्होंने उन्हें बोलने का मौका दिया। इस मुद्दे पर सदन में कुछ देर अव्यवस्था का माहौल रहा, केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक किसान पुत्र को भारत रत्न देने के फैसले का भी विरोध कर रही है. उन्होंने कहा,'इस देश के किसान की आवाज को रोकने वाला कोई पैदा नहीं हुआ है और ना ही पैदा होगा। सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा और खरगे पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत रत्न पाने वाले शख्सियतों के लिए 'ओछी टिप्पणी की। उन्होंने विपक्ष के नेता से उनकी टिप्पणियों के लिए सदन और देश से माफी मांगने की मांग की। गोयल की टिप्पणियों पर सदन में कुछ देर हंगामा भी हुआ। सदन में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी कुछ कहना चाह रहे थे। सभापति ने कहा कि तिवारी व्यवस्था के प्रश्न के तहत अपना पक्ष रख सकते हैं लेकिन वह उन्हें भाषण देने का मौका नहीं दे सकते।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वोटों की वजह से तो नहीं हो रही हिंसा!

जैसे-जैसे लोकसभा चुनावों की घोषणा की तारीखों के करीब आने की सुगबुगाहट हो रही है राजनीति भी नए-नए रंग में आने लगी है। जहां पुरस्कार से लेकर सेना तक का वोटों के लिए इस्तेमाल करने की जुगत में सत्ता पक्ष पर काबिज बीजेपी कर रही है वहीं विपक्ष भी उसको घेरने में लगी है। अब नेता साम, दाम, दंड व भेद हर प्रकार से सता कब्जाना चाहते हैं। इसके लिए वह आम जनता को हिंसा तक में झोंकने से नही चूकते। ताजा -ताजा मामला उत्तराखंड का है जहां अवैध निमार्ण के चलते दो गुटों में जबरदस्त झड़प हो गई और कई लोगों की मौत हो गई। अब यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा कि सच क्या है पर जो भी हुआ वो ठीक नहीं हुआ।

इस तरह की घटना का घटित होना राज्य सरकार की लापरवाही का नतीजा है। इस तरह की घटना न हो इस पर सभी सियासी दलों को विचार करना चाहिए। हालांकि हिंसाग्रस्त हल्द्वानी शहर के बाहरी इलाकों से कर्फ्यू हटा लिया गया है लेकिन बनभूलपुरा क्षेत्र में यह लागू रहेगा जहां बृहस्पतिवार को एक अवैध मदरसे को तोड़े जाने को लेकर भीड़ ने आगजनी और तोड़फोड़ की थी। शहर के बाहरी इलाके में दुकानें शनिवार को खुलीं लेकिन स्कूल बंद हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया, ''प्रभावित इलाके में लगातार गश्त की जा रही है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की हिंसा में शामिल पांच लोगों को अभी तक गिरफ्तार किया गया है और तीन प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। सोशल मीडिया पर अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। एडीजी ने कहा कि बनभूलपुरा इलाके में कर्फ्यू अभी लागू है। हालांकि, निवासियों को समय-समय पर आवश्यक सामान खरीदने की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि काठगोदाम तक रेल सेवाएं भी बहाल कर दी गई हैं। अभी कहीं से भी किसी और अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। बृहस्पतिवार को हुई हिंसा में छह दंगाइयों की मौत हो गई। 60 से अधिक लोग घायल हुए. स्थानीय लोगों ने नगर निगम कर्मियों और पुलिस पर पथराव किया और पेट्रोल बम फेंके थे जिससे कई पुलिसकर्मियों को एक थाने में शरण लेनी पड़ी, जिसे भीड़ ने आग के हवाले कर दिया था। आम जन की जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्यों को समझे। अफवाहों पर ध्यान न दे और सबक साथ मिलजुल कर रहे।

जहां पुरस्कार से लेकर सेना तक का वोटों के लिए इस्तेमाल करने की जुगत में सत्ता पक्ष पर काबिज बीजेपी कर रही है वहीं विपक्ष भी उसको घेरने में लगी है। अब नेता साम, दाम, दंड व भेद हर प्रकार से सता कब्जाना चाहते हैं। इसके लिए वह आम जनता को हिंसा तक में झोंकने से नही चूकते। ताजा - ताजा मामला उत्तराखंड का है जहां अवैध निमार्ण के चलते दो गुटों में जबरदस्त झड़प हो गई और कई लोगों की मौत हो गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जुल्म के प्रतिरोध से उपजे बड़े सवाल

प्रदीप मिश्र

आठ फरवरी को संसदीय चुनाव से ऐन पहले पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के वाशिंदों ने वहां की अगली सरकार को संदेश दे दिया है। भारत सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी संकेत हैं कि कंगाली-तंगहाली, जोर-जबरदस्ती और उपेक्षा-उत्पीड़न से आजिज यहां के आधे-अधूरे नागरिक दिक्कतों से निजात पाने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार हैं। पाकिस्तान सरकार 1990 के बाद से पांच फरवरी को कश्मीर डे यानी कश्मीरी एकजुटता दिवस मनाती आ रही है लेकिन गिलगित-बाल्टिस्तान में इसके विरोध में बंद और हड़ताल ने वहां के हालात सार्वजनिक कर दिए हैं। इस्लामाबाद में भी छात्रों ने पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन किया। आजाद कश्मीर की अवाम ने भी दो साल से ऐसे कार्यक्रमों से दूरी बना ली है। पाकिस्तान में कश्मीरियों के प्रति समर्थन दिखाने और सहानुभूति जताने के लिए पूरे देश में छुट्टी कर रैलियां की जाती थीं। दुनिया के सामने भारतीय कश्मीरियों की दयनीय हालत बयां करने के लिए भारतीय उच्चायोग के सामने भी रैली होती थी।

पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद संबंधी पाकिस्तान की कोशिशें लगातार नाकाम हो रही हैं। जम्मू-कश्मीर के विकास जैसे विकल्प से पीओजेके में पाकिस्तानी हुक्मरानों के विरुद्ध बगावत की बयार बहने लगी है। पिछले महीने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के साढ़े चार साल बाद जम्मू-कश्मीर में 90 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ। 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर आ गया है। हाईवे और कॉरिडोर का कार्य प्रगति पर है। 77 साल में पहली बार यहां पहुंचने वाले रिकॉर्ड दो करोड़ पर्यटक बाकी के बदलाव के साक्षी हैं। अब असलियत यह है कि भारत में तीन दशक तक खास आयोजनों में खलल डालने के लिए पाकिस्तान पथराव, हड़ताल और बंद जैसे जिन हथकंडों से अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर राग अलापने का अवसर पाता था, उसको ही उलटे पड़ने लगे हैं।

वहां के लोग पाकिस्तान का शासन अवैध बताते हुए मानवाधिकारों की जंग लड़ने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि सिर्फ पाकिस्तान और भारत ही नहीं, दुनिया के लोकतांत्रिक देश उनकी

आवाज सुनें और उनका साथ दें। जम्मू-कश्मीर में बेहतर बदलाव ने उनके जुनून को बढ़ा दिया है। वे जानते हैं कि इसके लिए जंग जरूरी है और इसे जीतने के लिए उन्हें और जुल्म सहने पड़ सकते हैं पर मजबूरी के लिए आगे की नस्लें उन्हें कायर और गुनहगार तो नहीं मानेंगी। दरअसल, गिलगित-बाल्टिस्तान, सिंध, आजाद कश्मीर और बलूचिस्तान पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। पाकिस्तानी तालिबानी भी स्वतंत्र देश चाहते हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग पाकिस्तान के खिलाफ लगातार प्रदर्शन करते हुए भारत के लद्दाख के साथ मिलाने की मांग कर रहे हैं। चार फरवरी को लद्दाख के लोगों ने भी इससे सहमति जता दी है। उन्होंने लद्दाख को राज्य का दर्जा देकर लोकसभा सीट एक से बढ़ाकर दो करने की मांग की है। 2009 में पाकिस्तान ने अधिकार न होने के बावजूद पीओके को आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के रूप में विभाजित किया, जिसका क्षेत्रफल 86,267 वर्ग किलोमीटर है। भारत सरकार ने इसी पूरे क्षेत्र को पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) नाम दिया है। पाकिस्तान में 2017 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार सुन्नी बहुतायत वाले आजाद कश्मीर की आबादी 4.45 करोड़ और शिया बहुल गिलगित-बाल्टिस्तान की जनसंख्या 1.49 करोड़ थी। दोनों विधानसभाओं के लिए क्रमश: 45 और 33 सदस्य चुने जाते हैं। कहने को ही दोनों के ध्वज और राष्ट्रपति अलग-अलग हैं। असल शासन पाकिस्तान का ही है। महंगाई, बेरोजगारी और खाद्यान्न संकट से दो-चार हो रहे लोगों से पाकिस्तान सरकार बेफिक्र है। पाक अधिकृत कश्मीर में आईएसआई के आतंकी प्रशिक्षण केंद्र हैं, जबकि शियाओं पर दमन चक्र चल रहा है। पाक अधिकृत आजाद कश्मीर से पानी-बिजली की आपूर्ति पूरे पाकिस्तान को की जाती है लेकिन उसके अपने लिए कुछ नहीं है।

आए दिन प्रदर्शन और पिटाई उनकी जिंदगी का हिस्सा है। जुल्म सहते-सहते उनके बुनियादी सवाल बड़े हो गए हैं और वे अपनी तुलना जम्मू-कश्मीर में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसर, पर्यटन व संस्कृति के प्रचार-प्रसार और समान सुरक्षा से कर रहे हैं। पीओजेके पर भारत की गंभीरता इससे जाहिर है कि 10 जनवरी को पाकिस्तान में ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेन मेरियट के मीरपुर दौरे को भारत ने संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई थी।

भारत विरोध के बाद घर में ही घिरने लगे हैं मुइज्जू

हरीश मलिक

मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के भारत विरोधी अभियान के बाद दिल्ली में पिछले दिनों आयोजित सचिव स्तरीय बातचीत में भारत ने अपने सैनिकों को मई तक वापस बुलाने एवं उनकी जगह सिविलियन तकनीशियनों की तैनाती करने की बात कही है। लेकिन एक बात तो तय है कि 'इंडिया आउट' की अपनी भारत विरोधी नीति के चलते मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अपने घर में ही घिर गए हैं। भारत को आंख दिखाने की कोशिश करने वाले मुइज्जू को लगातार अपनों से ही करारा झटका मिल रहा है। विपक्षी दलों के पास मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए पर्याप्त समर्थन है, यदि वे इस पर अमल करेंगे तो राष्ट्रपति संकट में आ जाएंगे।

दरअसल, मोइज्जू अब तक भारत विरोध का ही झंडा बुलंद कर रहे थे, लेकिन अब उनका मालदीव में भी तानाशाही रवैया सामने आया है। उन्होंने विपक्षी दलों को संसद में घुसने से ही रोकने का प्रयास किया है। वहीं कैबिनेट के चार सदस्यों को लेकर विपक्ष की मंजूरी न मिलने की वजह से मालदीव की संसद में जमकर हंगामा हुआ। यहां तक कि सांसदों के बीच मारपीट तक हो गई। इसमें मुइज्जू के समर्थक सांसद भी चपेट में आए हैं। इससे पहले राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस यानी पीएनसी राजधानी माले में ही बड़ा चुनाव हार गई। माले में मेयर चुनाव में मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी यानी एमडीपी के एडम अजीम को जीत मिली, जो भारत समर्थक माने जाते हैं। इस जीत के साथ ही माले की जनता ने भी भारत के समर्थन और मुइज्जू की नीति के विरोध पर मुहर लगा दी। दरअसल, मुइज्जू मालदीव की जनता को यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे अपने 'इंडिया आउट' के चुनावी वादे को अमलीजामा पहना रहे हैं। भारत और मालदीव आपसी संबंधों की बात करें तो 1965 में मालदीव की आजादी के बाद से सैन्य, रणनीतिक, पर्यटन, आर्थिक, औद्योगिक, चिकित्सकीय और सांस्कृतिक जरूरतों के लिए वह भारत पर आश्रित रहा है। मालदीव का फैलाव भारत के लक्षद्वीप की उत्तर-दक्षिण दिशा में है।

कई दशकों से हमारे संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी रहे हैं। सवाल यह उठता है कि ऐसा क्या हुआ कि दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। दरअसल, मालदीव में पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति पद के चुनाव से कड़वाहट के अंकुर फूटे। मालदीव का राष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले मुइज्जू ने चुनाव प्रचार के दौरान ही 'इंडिया आउट' नाम से अभियान चलाया था, जिसमें वहां मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस भेजने का वादा शामिल था। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि भारत इस साल मई तक मालदीव से अपने सैनिक हटा लेगा। अधिकारियों ने कहा कि हिंद महासागर द्वीपसमूह में तैनात लगभग 80 सैनिकों की जगह भारतीय सिविलियन तकनीशियन ले लेंगे। मालदीव ने द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में बनी सहमति का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों का पहला समूह 10 मार्च तक और बाकी 10 मई तक देश से रवाना हो जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले चीन-तुर्की से दोस्ती बढ़ाते हुए मालदीव ने भारत का हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौता रद्द कर दिया था। मुइज्जू के इस भारत विरोधी रवैये को लेकर मालदीव के विपक्षी नेता खासे चिंतित हैं। यही वजह है कि जब से मुइज्जू और भारत आमने-सामने आए हैं, मालदीव के विपक्षी नेता सत्तारूढ़ पीएनसी के खिलाफ ज्यादा आक्रामक रुख दिखा रहे हैं। दरअसल, पिछले साल राष्ट्रपति बनते ही चीन समर्थक मुइज्जू ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया था। भारत के बजाय पहला दौरा तुर्की का करने, 'हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते' को रद्द करने और चीन के साथ समझौते करने जैसे भारत विरोधी कदम मुइज्जू लगातार उठा रहे हैं। इसके अलावा मुइज्जू और एमडीपी व विपक्षी दलों के बीच कैबिनेट मेंबर्स की मंजूरी को लेकर भी मतभेद हैं। एमडीपी और डेमोक्रेट्स ने चार सदस्यों को मंजूरी नहीं दी। इसके बाद मुइज्जू के सांसदों ने संसद में प्रदर्शन शुरू कर दिया। मतभेद इतना बढ़ा कि मुइज्जू सरकार के समर्थक और विपक्षी सांसदों के बीच हाथापाई तक हो गई। मालदीव की संसद में इस झड़प का वायरल वीडियो भी सामने आया।

लेकिन एक हकीकत यह भी है कि मालदीव में विपक्ष के एकजुट रहने पर मुइज्जू की कुर्सी को खतरा पैदा हो सकता है। इस बीच मालदीव की संसद में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पहले संबोधन में एक बार फिर भारत विरोधी रुख दोहराया। उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा कि किसी भी देश को मालदीव की संप्रभुता में हस्तक्षेप करने या उसे कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही मालदीव भारत के साथ पानी पर रिसर्च करने वाले एग्रीमेंट को भी रिन्यू नहीं करेगा। मालदीव की मुख्य विपक्षी पार्टी एमडीपी और डेमोक्रेट ने मुइज्जू के रुख का विरोध किया है। एमडीपी ही राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही है। उसने महाभियोग के लिए जरूरी सांसदों का समर्थन लिखित तौर पर हासिल कर लिया है। कहा जा रहा है कि महाभियोग लाने की तारीख पर जल्द ही फैसला होगा। दरअसल, मालदीव में मुइज्जू की गठबंधन सरकार है और उसे पद पर बने रहने के लिए पर्याप्त सांसदों के समर्थन की दरकार है। विपक्ष के एकजुट रहने पर मुइज्जू की कुर्सी जा सकती है।

मुहूर्त और तिथि

हिन्दू पंचांग के अनुसार बसंत पंचमी माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती हैं। इस दिन मौसम के राजा बसंत का आगमन होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार बसंत पंचमी ज्यादातर फरवरी माह में आती हैं। बसंत पंचमी का यह त्यौहार प्रकृति के बदलाव का प्रतीक हैं। प्रकृति के सभी प्राकृतिक बदलाव इस बसंत मौसम के आने के बाद शुरू होते हैं। 14 फरवरी, 2024, गुरुवार बसंत पंचमी तिथि, माघ माह, शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम संवत् 2075, सुबह 07:00:50 बजे से दोपहर 12:35:33 तक। कुल समय 5 घंटे 34 मिनिट।

शारदायै नमस्तुभ्यं, मम हृदय प्रवेशिनी...

हिन्दू धर्म में ऋतुओं के आधार पर भी त्योहार मनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक बसंत पंचमी पर्व भी है। शास्त्रों में बताया गया है कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि से बसंत ऋतू का शुभारंभ हो जाता है। इस विशेष दिन पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग प्रकार से इस पर्व को मनाया जाता है। मां सरस्वती की आराधना का त्यौहार कहा जाने वाला बसंत पंचमी का त्यौहार, पूरे भारत वर्ष में यह बसंत के मौसम की शुरुआत और देवी सरस्वती के जन्म के दिन के रूप में मनाया जाता है। मां सरस्वती जो ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि की देवी मानी जाती हैं, इस दिन इनकी पूजा करके आशीर्वाद मांगा जाता है। यह दिन होली के रंगीन त्यौहार के आगमन की भी घोषणा करता है। इस दिन मां सरस्वती के साथ-साथ सभी ग्रंथो, पुस्तकों और संगीत यंत्रों की भी पूजा की जाती हैं। बसंत पंचमी का त्यौहार केवल भारत में हिंदुओं द्वारा ही नहीं बल्कि नेपाल और बाली में भी मनाया जाता है।

एतिहासिक कथा

बसंत पंचमी के दिन के लिए बहुत सी कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार ब्रह्मा ने जब ब्रह्मांड की रचना की थी तब सम्पूर्ण धरती पर चारों तरफ मौन था। ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से जल की एक बूंद झिड़क कर मां सरस्वती की रचना की। इस तरह सरस्वती जी ब्रह्माजी की पुत्री कहलायी। मां सरस्वती के जन्म के साथ ही उनकी भुजाओं में वीणा, पुस्तक और आभूषण थे। जब माता सरस्वती से वीणा वादन का आग्रह किया गया। जैसे ही उन्होंने वीणा वादन शुरू किया। वीणा से उत्पन्न स्वर से पृथ्वी पर कम्पन्न हुआ और पृथ्वी का सूनापन समाप्त हुआ। इन स्वरों की वजह से ही मनुष्यों को वाणी की प्राप्ति हुई। पृथ्वी के चेतना के लिए आवश्यक तत्वों की उत्पत्ति मां सरस्वती ने ही की थी। एक और प्रचलित कथा के अनुसार जब प्रभु श्रीराम ने सीता माता की खोज में जब वह दंडकारण्य में पहुंचे थे। तब उन्होंने बसंत पंचमी के दिन ही शबरी के बेर खाकर समाज में एकात्मता का सन्देश दिया।

ऐसे करें मां सरस्वती को प्रसन्न

बसंत पमंची पर पीले, बसंती या सफेद वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके पूजा की शुरुआत करें। मां सरस्वती को पीला वस्त्र बिछाकर उस पर स्थापित करें और रोली, केसर, हल्दी, चावल, पीले फूल, पीली मिठाई, मिश्री, दही, हलवा आदि प्रसाद के रूप में उनके पास रखें। देवी को श्वेत चंदन और पीले व सफेद पुष्प दाएं हाथ से अर्पण करें। केसर मिश्रित खीर अर्पित करना सर्वोत्तम होगा। हल्दी की माला से मां सरस्वती के मूल मंत्र? ऐं सरस्वत्यै नमः का जाप करें। शिक्षा की बाधा का योग है तो इस दिन विशेष पूजा करके उसको ठीक किया जा सकता है।

क्यों होती है मां सरस्वती की पूजा

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, ज्ञान देवी मां सरस्वती शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को ही ब्रह्माजी के मुख से प्रकट हुई थीं। इसलिए बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन पूरे विधि विधान से मां सरस्वती की पूजा करने से वो प्रसन्न होती हैं और भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

बसंत पंचमी का वैज्ञानिक कारण

बसंत पंचमी से ठंड की अनुभूति कम होने लगती है और मौसम में संतुलन बना रहता है। इसके साथ बसंत पंचमी पर्व के दिन पीले रंग का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है। हिन्दू धर्म में इस रंग का महत्व बहुत अधिक है, किन्तु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस रंग को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस रंग को डिप्रेशन दूर करने में सबसे कारगर माना जाता है।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर स्टूडेंट से- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का अपनी गर्लफ्रेंड से- आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

कहानी — बिल्ली के गले में घंटी

एक बहुत बड़े घर में सैकड़ों चूहे रहते थे। वो अपना पेट भरने के लिए पूरे घर में टहलते थे। सभी चूहे हंसी-खुशी अपना पेट भर लिया करते थे। उनकी जिंदगी बड़े आराम से कट रही थी। अचानक एक दिन उस घर में शिकार करने के लिए, कहीं से एक बिल्ली आ गई। बिल्ली को देखते ही सारे चूहे तेजी से अपने-अपने बिल में छिप गए। उसने देखा कि उस घर में तो बहुत सारे चूहे हैं। उसने यहीं रहने का मन बना लिया। अब बिल्ली उसी घर में रहने लगी। जब भी उसे भूख लगती, तो बिल्ली अंधेरे में जाकर छिप जाती थी। जब चूहे बाहर निकलते, तो बिल्ली उन पर झपटा मारकर खा जाती थी। ऐसा रोज होने लगा। धीरे-धीरे चूहों की संख्या कम होने लगी थी। अब चूहों में दहशत फैल गई थी। इस समस्या का हल निकालने के लिए चूहों ने एक सभा बुलाई। सभा में सभी चूहे मौजूद थे। सभी ने कई सुझाव दिए, ताकि बिल्ली के आतंक को रोका जा सके और उसका शिकार बनने से चूहे बचे रहें। किसी का सुझाव ऐसा नहीं था, जिससे बिल्ली का आंतक रोका जा सके। सभी चूहे बैठे ही थे कि अचानक से एक बूढ़े चूहे ने सुझाव दिया। उसने कहा कि हम बिल्ली से बच सकते हैं, लेकिन उसके लिए एक घंटी और धागे की जरूरत पड़ेगी। बूढ़े चूहे ने कहा कि हम बिल्ली के गले में घंटी बांध देंगे और जब वह आएगी, तो घंटी बजने से हमें खतरे के बारे में पता चल जाएगा। खतरा जानने के बाद हम लोग भाग कर अपनी बिल में छिप जाएंगे। इससे हम लोग बिल्ली का शिकार बनने से बचे रह सकते हैं। सभी चूहे खुशी से झूमने लगे। सबने नाचना शुरू कर दिया और खुश होने लगे कि अब तो वह बिल्ली के खतरे से बचे रहेंगे। सभी चूहे खुशियां मना ही रहे थे कि अचानक से एक अनुभवी चूहा उठ खड़ा हुआ। उसने सभी चूहों को जोर से डांट लगाई और कहा कि चुप रहो, तुम सब मूर्ख हो। उसके बाद अनुभवी चूहे ने जो कहा, वह सुनकर सभी का मुंह उतर गया। चूहे ने कहा कि वो सब तो ठीक है, लेकिन जब तक बिल्ली के गले में घंटी नहीं बंध जाती, तब तक हम सुरक्षित नहीं हैं। अब तुम सब पहले ये बताओ कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन? सभी चूहे एक दूसरे की तरफ देखने लगे। सभा में सन्नाटा छा गया था। सभी चूहे निराश हो गए। इसी बीच बिल्ले के आने की आहट पाते ही सभी चूहे भागकर अपने-अपने बिल में जाकर छिप गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन

पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या

वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला

शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मकर

आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुम्भ

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

समाज में भक्षकों की मौजूदगी पर भूमि पेडनेकर ने जताई चिंता

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म भक्षक को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसमें अभिनेत्री प्रेस रिपोर्टर का रोल अदा करती नजर आएंगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, उम्मीद है कि यह फिल्म भूमि के करियर में संजीवनी का काम करेगा। अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में भूमि ने खुलासा किया है कि वे भक्षक में अपने किरदार से इतनी ज्यादा प्रभावित हैं कि अब इससे आगे बढ़ भी नहीं पाएंगी। भूमि ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी भक्षक से आगे बढ़ पाऊंगा क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में समाज में छोटे बच्चों के साथ हो रहा है। यह भारत के किसी एक क्षेत्र के लिए नहीं है, यह हमारे आसपास कहीं भी हो सकता है। यह चीजें आपसे बर्दाश्त नहीं होंगी। इससे आपको गुस्सा आता है और यह आपको यह सवाल करने पर भी मजबूर करता है कि आप इसके बारे में क्या कर रहे हैं। भूमि ने आगे कहा, मैं उम्मीद करती हूं कि फिल्म दर्शकों पर प्रभाव डालेगी, जहां आप अपने निर्णयों पर सवाल उठाएंगे। इसने मुझे अपनी सहानुभूति पर सवाल उठाने पर मजबूर कर दिया और मैं किसी और के दर्द को कैसे नहीं महसूस कर पाई। कहने को तो यह सिर्फ एक फिल्म है, लेकिन अगर इसे अपने जीवन में उतार लें तो हम समाज में अपना अहम योगदान भी दे सकते हैं। फिल्म में भूमि ने बिहार की एक स्थानीय पत्रकार वैशाली सिंह की भूमिका निभाई है, जो एक बालिका आश्रय गृह में यौन शोषण के मामलों को उजागर करने की कोशिश करती हैं। अभिनेत्री अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने में मदद के लिए निर्देशक पुलकित को श्रेय देती हैं। भूमि पेडनेकर की फिल्म की बात करें, तो भक्षक एक क्राइम ड्रामा फिल्म है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म में भूमि के अलावा इसमें संजय मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव और साई ताम्हणकर जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कश्मीर के स्पेशल मिशन पर निकल रहीं यामी गौतम

बॉलीवुड | मसाला

आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी फिल्म आर्टिकल 370 का धमाकेदार ट्रेलर सामने आ गया है। ट्रेलर में यामी गौतम का किरदार काफी दमदार नजर आया। ये फिल्म के एक ऐसे विवादित मुद्दे पर बनाई गई है जो कई सालों तक चर्चा का विषय रहा है। ट्रेलर में कश्मीर में आर्टिकल 370 के हटने की मांग उठने से लेकर हटने तक के भयानक माहौल को दिखाया गया है। फिल्म की रिलीज में अभी वक्त है, आइए उससे पहले जानते हैं आर्टिकल 370 के इतिहास के बारे में।

फिल्म आर्टिकल 370 के 2 मिनट 43 सेकंड ट्रेलर कश्मीर के उस समय के हालातों को दिखाया गया है। ट्रेलर में ये दिखाया गया है कि कैसे कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने पर वहां रह रहे आम लोगों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और उससे पहले आंतकवाद की वजह से किस तरह से घाटी में संघर्ष की स्थिति बनी हुई थी, जिससे पार पाने के लिए भारतीय सेना और खुफिया एंजेसी के अफसरों ने इतना संघर्ष किया। अनुच्छेद 370 भारतीय संविधान का एक प्रावधान था जिसके तहत कश्मीर को स्पेशल स्टेटस दिया जाता था। अक्टूबर 1947 में कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय पत्र यानी 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' पर साइन किए थे। इसके जरिए उन्होंने प्रिंसली स्टेट को भारत में विलय पर सहमति जाहिर की थी। इस विलय पत्र में लिखा था कि जम्मू-कश्मीर विदेश, रक्षा और संचार मामलों में भारत सरकार को अपनी शक्ति हस्तांतरित करेगा। इसके बाद साल 1949 में जम्मू-कश्मीर की सरकार ने इसका एक प्रस्ताव तैयार किया और 27 मई, 1949 को कश्मीर की संविधान सभा ने इसे कुछ बदलाव के साथ स्वीकार किया। फिर 17 अक्टूबर, 1949 को यह भारतीय संविधान का हिस्सा बन गया। अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा मिला था। इसकी वजह से यहां संविधान की धारा 356 लागू नहीं हो सकती थी और राष्ट्रपति के पास राज्य के संविधान को बर्खास्त करने का भी अधिकार नहीं था। इसकी वजह से कश्मीर में आरटीआई और सीएजी जैसे कानून लागू नहीं हो सकते थे और यहां के नागरिकों के पास दौहरी नागरिकता होती थी। साथ ही अलग राष्ट्र ध्वज भी था।

दीया मिर्जा ने रेड गाउन में बरपाया कहर

दीया मिर्जा इन दिनों अपने नए-नए प्रोजेक्ट्स की वजह से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इसी के साथ वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहने लगी हैं। एक्ट्रेस लगभग हर दिन अपने नए लुक्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब फिर से दीया ने अपनी स्टाइलिश अदएं दिखाते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां एक्ट्रेस काफी अलग और ग्लैमरस दिख रही हैं। फैंस के बीच नजरें उनकी इन अदाओं पर टिकी रह गई हैं। वहीं, फैंस उनकी तारीफें करते थक नहीं रहे।

दीया ने कुछ देर पहले ही अपनी कुछ फोटोज चाहने वालों के साथ शेयर किया है। इस फोटोशूट के लिए दीया हैवी सीक्वेंस वाला डिजाइनर खूबसूरत गाउन कैरी किया है। अपने इस लुक को उन्होंने सटल ग्लिटरी मेकअप, डार्क रेड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखकर सिंपल हेयर स्टाइल बनाया है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर उन्होंने कानों में सिल्वर ईयररिंग्स पहने हैं। दीया इस लुक में बेहद खूबसूरत और अट्रैक्टिव दिख रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को कैमरे के सामने अपनी अलग-अलग अदाएं दिखाते हुए एक से एक पोज दिए हैं।

अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक काफी वायरल हो गया है। एक्ट्रेस की फोटोज में कुछ देर में ही हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो हर मिनट तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। फैंस ने उनकी तारीफों के पुल बांधते हुए कई कमेंट्स किए हैं।

नए प्रोजेक्ट का नहीं हुआ ऐलान

दूसरी ओर दीया मिर्जा के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को पिछली बार साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म धक धक में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ रत्ना पाठक, संजना संघी और फातिमा सना शेख को भी लीड रोल में देखा गया था। हालांकि, इसके बाद से ही दीया ने अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है। अब फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

अजब-गजब | क्या आप जानते हैं साबुन कब और कहां बना?

1500 ई. पूर्व मिश्र में हुआ था साबुन का निर्माण

साबुन के बिना न तो कपड़ों की सफाई हो सकती है और न शरीर की। इसका उपयोग तो सभी करते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि साबुन की उत्पत्ति कैसे हुई? अमेरिकन क्लीनिंग इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक, प्राचीन बेबीलोन सभ्यता से भी हजारों साल पहले साबुन के इस्तेमाल के प्रमाण मिले हैं। पुरातत्वविदों को इस बात के प्रमाण मिले हैं कि प्राचीन बेबीलोन के लोग 2800 ईसा पूर्व साबुन बनाना जानते थे। उस वक्त के मिट्टी के सिलेंडरों में साबुन जैसी सामग्री मिली है। इन पर लिखा था कि हम राख के साथ उबली हुई चर्बी (साबुन बनाने की एक विधि) का उपयोग सफाई के लिए करते हैं। अभिलेखों से यह भी पता चलता है कि प्राचीन मिस्रवासी नियमित रूप से स्नान करते थे। लगभग 1500 ईसा पूर्व के एक चिकित्सा दस्तावेज एबर्स पेपिरस में जानवरों और वनस्पति तेलों को एल्केलाइन साल्ट के साथ मिलाकर साबुन जैसी सामग्री बनाने का वर्णन किया गया है। इसका उपयोग त्वचा रोगों के इलाज के साथ-साथ शरीर को साफ करने के लिए भी किया जाता है।

कपड़ों से तेल के दाग और मैल निकालने वाला साबुन सबसे पहले टे और राख से मिलाकर बनाया गया था। कहते हैं कि करीब

4 हजार साल पहले रोमन महिलाएं जब टाइबर नदी के किनारे बैठकर कपड़े धो रही थीं, तभी नदी के ऊपरी सिरे से बलि चढ़ाए गए कुछ जानवरों का फैट बहकर आ गया और नदी के किनारे मिट्टी में जम गया। जब यह कपड़ों में लगा तो अनोखी चमक आ गई। चूंकि ये फैट माउंट सापो से बहकर आया था, इसलिए इस मिट्टी को 'सोप' नाम दिया गया। यहीं से साबुन का नाम आया। रोमन महिलाओं को कपड़े तो साफ मिले, लेकिन उन्होंने यह जानने का प्रयास नहीं किया की यह सफाई आखिर हुई कैसे? यह काम पानी का सरफेस टेंशन कम करके किया जाता है। असल में पानी के अणु एक दूसरे की ओर आकर्षित होने के बजाय पानी की तरह ही खिंचते हैं। यह खिंचाव ही सरफेस टेंशन है। जब तक यह रहता है, पानी न तो कपड़े से मैल निकालता है और न ही उसमें मैल खींचने वाला 'गीलापन' रहता है। जैसे ही सरफेस टेंशन दूर होता है, पानी में गीलापन आ जाता है। यह तनाव तोड़ने का काम साबुन करता है। साबुन बनाने के लिए फैट और तेल की फैटी एसिड का उपयोग किया जाता है। इस एसिड को तीव्र एल्कालाइन के साथ मिलाया जाता है। इनके बीच होने वाली प्रतिक्रिया से जो अणु बनते है, उन्हें सरफेस एक्टिव एजेंट या सरफेक्टेंट्स कहते हैं। यही सरफेस टेंशन तोड़ने का काम करते हैं।

साबुन में दो तरह के अणु होते हैं। एक वे जो पानी प्रेमी या हाइड्रोफिलिक होते हैं। और एक तेल प्रेमी या हाइड्रोफोबिक। हाइड्रोफोबिक तैलीय गंदगी से जाकर चिपक जाता है और पानी इस गंदगी को कपड़े से अलग करने का काम करता है। जब कपड़े को साफ पानी में धोया जाता है, तो साबुन के साथ ही गंदगी भी बह जाती है। और कपड़ा फिर चमकने लगता है। अब साबुनों में एल्कालाइन की जगह सोडियम हाइड्रोक्साइड या पोटेशियम हाइड्रोक्साइड का उपयोग किया जाता है, जबकि पहले इसकी जगह 'वुड एश लाई' का उपयोग होता था।

केवल नमक से बना है ये होटल लोग दीवारें चाट कर करते हैं चेक

दुनिया में अनोखी इमारतों और होटल की कमी नहीं है। लेकिन दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वत में दुनिया का सबसे अजीब होटल में से एक केवल नमक से बना है। यह रिसॉर्ट पृथ्वी का सबसे विशाल नमक के मैदान पर बना है। इसमें फर्नीचर, दीवारें , फ्लोरिंग, मूर्तियां सबकुछ नमक का ही बना है। और यहां तक खाना भी यहां केवल नमक का ही मिलता है। बोलिविया के सूखी हुई ऐतिहासिक झील सालार डि उईयूनी के तटों पर स्थित स होटल का नाम का होटल पैलासियो डि साल है जिसका मतलब ही नमक का महल होता है। इन तटों में 4 हजार वर्ग मील नमक का रेगिस्तान है। इस होटल की तस्वीरों से पता चलता है कि यहां के अंदर के खंबे और दीवारें नमक से बनी ईंटों से बने हुए हैं। कुछ कमरों में तो फर्शों को नमक से बनी रेत से ढका गया है और इनमें नमक से बने सफेद सोफा खास तौर से देखे जाते हैं। यहां के रेस्तरां में नमकीन डिशेस ही होती है जिनमें लामा का मीट, भेड़ और चिकन तक शामिल हैं। होटल के स्टाफ का कहना है कि यहां आने वाले मेहमान आकर बहुत खुश रहते हैं और कई तो दीवार या फर्नीचर को चाट कर भी देख कर चेक करते हैं कि यह सब नमक से बना है। इस होटल की इमारत का बाहरी हिस्सा भी उसी पदार्थ से बना है और उसके लिए नमक को कुछ मीटर की दूरी से लाकर तराशा जाता था। यहां की छत के गुंबद भी नमक के हैं। इस होटल को बनाने में 35 सेमी के नमक के दाने से बने करीब 10 लाख ब्लॉक का इस्तेमाल हुआ है। 10 हजार टन वजनी इस इमारत को बनने में केवल दो साल का समय लगा था।

मोदी सरकार ने जवानों व किसानों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया : खरगे

» बोले- भाजपा के 10 साल के शासन में भारत पिछड़ गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर अपने शासन के 10 वर्षों में किसानों और जवानों को बर्बाद करने का आरोप लगाया। किसानों के दिल्ली चलो आह्वान को अपनी पार्टी का समर्थन देते हुए खरगे ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करने के संबंध में अभी तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की है।

वर्ष 2020 में किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के सिंघू बॉर्डर, टिकरी बार्डर और गाजीपुर सीमा पर लगभग एक साल तक विरोध प्रदर्शन किया था। खरगे यहां लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की पंजाब इकाई कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का नारा, जय जवान, जय किसान पंजाब में सबसे उपयुक्त बैठता है। उन्होंने कहा कि यह राज्य अनोखा है क्योंकि यहां पर जवान और किसान दोनों हैं। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर किसान हैं लेकिन जवान नहीं हैं और कुछ जगहों पर जवान हैं लेकिन किसान नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जवान और किसान दोनों को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों ने कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने दावा किया, लेकिन उन्होंने (केंद्र सरकार ने) तीन कृषि कानूनों को स्थगित कर दिया। उन्होंने इसे रद्द करने की कोई अधिसूचना जारी नहीं की। इन कानूनों को निरस्त करने की अधिसूचना कहां है?

पीएम ने किसानो को आंदोलन जीवी कहा

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अपमानजनक तरीके से किसानो का नाम लेने और उन्हे आतंक्वादी और आंदोलन जीवी कहने का आरोप लगाया। किसानो के 10 फरवरी को दिल्ली चलो आव्वान का जिक्र करते हुए, खरगे ने किसानो को अपने अधिकारो के लिए राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच करने के लिए बधाई दी और उन्हे अपनी पार्टी का समर्थन दिया। लगभग 200 किसान संघ द्वारा दिल्ली चलो मार्च के आव्वान के तहत उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से बड़ी संख्या मे किसानो के मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच करने की संभावना है।

फसल बीमा योजना के 40,000 करोड़ रुपए निजी बीमा कंपनियों की जेब में गए

खरगे ने आरोप लगाया फसल बीमा योजना के लिए आवंटित 40,000 करोड़ रुपए निजी बीमा कंपनियो की जेब मे चले गए। उन्होने दावा किया कि इसके अलावा, स्वतंत्र भारत के इतिहास मे पहली बार, किसान 25,000 रुपए प्रति हेक्टेयर कर का भुगतान कर रहे है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार विभिन्न सरकारी विभागो और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमो मे लगभग 40 लाख रिक्तियां नही भर रही है। उन्होने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी नही चाहते कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग को नौकरियो मे 50 फीसदी आरक्षण मिले। उन्होने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के तहत स्थापित बड़े उद्योगो को प्रधानमंत्री के एक ही मित्र को सौपा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस सवाल का जवाब देते हुए कि कांग्रेस ने क्या किया है, खरगे ने कहा, हमने बाध बनाए, श्वेत और हरित क्रांति लाए और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थान स्थापित किए। उन्होने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा काम बताएं जो उन्होने देश के लिए किया हो।

उषा और मैरी कॉम ने नहीं दिया पीड़ितों का साथ : साक्षी मलिक

» जानी-मानी खिलाड़ियों पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। संन्यास ले चुकी पहलवान साक्षी मलिक ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर महिला पहलवानों के एक समूह के विरोध प्रदर्शन को समर्थन नहीं देने के लिए देश की जानी-मानी खिलाड़ियों- पीटी उषा और मैरी कॉम पर निशाना साधा है।

मलिक ने कहा कि हालांकि उषा और मैरी कॉम को उनकी जैसे खिलाड़ियों द्वारा एक प्रेरणा के रूप में लिया जाता था, लेकिन उन्होंने पीड़ित महिला पहलवानों के समर्थन में कुछ नहीं बोला। ओलंपिक पदक विजेता यहां कनक्क्कुन्नू में आयोजित मातृभूमि इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ लेटर्स (एमबीआईएफएल) 2024 के तहत एक सत्र को संबोधित कर रही थी। अपने आंदोलन को लेकर दिग्गज खेल सितारों की प्रतिक्रिया पर हैरानी जताते हुए उन्होंने कहा कि उन दोनों ने पहलवानों को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई समाधान निकालने के लिए कुछ नहीं किया। मलिक ने कहा, पी टी उषा मैडम हमारे प्रदर्शन स्थल पर आई थीं। हमने उन्हें अपने मुद्दों के बारे में विस्तार से बताया था... वह हमारा समर्थन कर सकती थीं... लेकिन वह हमें यह आश्वासन देने के बावजूद चुप रहीं कि वह हमारे साथ खड़ी रहेंगी और हरसंभव मदद करेंगी। दिग्गज पहलवान मैरी कॉम के बारे में बात करते हुए वह थोड़ा भावुक हो गई। मैरी कॉम, बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने और एक रिपोर्ट सौंपने के लिए गठित निरीक्षण समिति की सदस्य थीं। उन्होंने कहा कि जब मैरी कॉम समिति में थीं तो उन्होंने प्रत्एक महिला पहलवान की कहानियां सुनीं। उन्होंने कहा, कहानियां सुनने के बाद वह बहुत भावुक हो गईं..उन्होंने यह भी कहा था कि वह हमारे साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक जैसे शीर्ष पहलवानों ने महिला पहलवानों के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए भूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नई दिल्ली में धरना दिया था।

शाह गारंटी योजनाओं पर खुली बहस करें : सिद्धरमैया

» गृहमंत्री के दावे को सीएम ने किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य की यात्रा पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह यह साबित कर सकते हैं कि गारंटी योजनाओं की वजह से राज्य का खजाना खाली नहीं हुआ है।

इसस पहले सुबह मैसुरु पहुंचे शाह चामुंडेश्वरी मंदिर गए और आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा के लिए राज्य भाजपा के नेताओं के साथ बैठकों में भाग लेने से पहले एक मेले में शिरकत की। सिद्धरमैया ने गारंटी योजनाओं के कारण राज्य सरकार का खजाना खाली होने के शाह के कथित दावे पर पलटवार करते हुए कहा, अगर यह अमित शाह का दावा है, तो उन्हें मेरे साथ खुली बहस करनी चाहिए। मैं साबित कर सकता हूं कि गारंटी योजनाओं की वजह से हमारा खजाना खाली नहीं है।

चटख धूप से यूपी में चढ़ा पारा

» आज शाम से फिर बिगड़ेगा मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुरवा हवा चलने के कारण चटख धूप की तल्खी फरवरी में ही गर्मी का अहसास कराने लगी है। इसके साथ ही दिन और रात के तापमान में भी क्रमिक वृद्धि का दौर शुरू हो गया है। इन सबके बीच मौसम विभाग ने सोमवार शाम से प्रदेश के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश के आसार जताए हैं। यह बारिश कहीं हल्की तो कहीं बारिश हो सकती है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक आने वाले दिनों में पारे में तेजी का ये दौर बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक प्रदेश में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से 11 डिग्री के बीच रहा, जबकि दिन का तापमान ज्यादातर इलाकों में सामान्य से अधिक रहा। बहराइच में सर्वाधिक 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा। कृषि से जुड़े जानकार लोगों का कहना है कि यदि इतनी तेज धूप बनी रहेगी तो इसका असर गेहूं की फसल पर बढ़ेगा। फसल के लिए आवश्यक है कि अभी सर्दी पड़ती रहे।

कंगारूओं ने तोड़ा भारतीय युवाओं का सपना

» अंडर-19 विश्व कप पर ऑस्ट्रेलिया का कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)। ऑस्ट्रेलिया ने तीन महीने के अंदर दूसरी बार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों का दिल तोड़कर को यहां फाइनल में 79 रन से जीत दर्ज करके चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 250 रन चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम इसके जवाब में 40.5 ओवर में 174 रन बनाकर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम ने पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गए वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर उसका आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा दिया था। अब उसकी जूनियर टीम ने पिछली बार के चैंपियन भारत को छठी बार अंडर-19 विश्व कप नहीं जीतने दिया। यह पहला अवसर है जबकि भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की। उसकी तरफ से हरजस सिंह (64 गेंद पर 55 रन, तीन चौके, तीन छक्के), हैरी डिक्सन (56 गेंद पर 42 रन), कप्तान ह्यू वीबगेन (66 गेंद पर 48 रन) और ओलिवर पीक (4× गेंदों पर नाबाद 46) ने उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से तेज गेंदबाज राज लिंबानी ने और 8 रन देकर तीन विकेट जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने नौ ओवर में 60 रन देकर दो विकेट लिए। पिच सेअसमान उछाल मिल रही थी और ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला सही साबित हुआ। भारतीय बल्लेबाज परिस्थितियों से सामंजस्य नहीं बिठा पाए। भारत के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (47) और निचले क्रम के बल्लेबाज मुरूगन अभिषेक (42) भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज माहलि बीयर्डमैन ने सात ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट जबकि कैलम विडलर ने 5 रन दे कर दो विकेट लिए। ऑफ स्पिनर रैफ मैकमिलन ने 40 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा योगदान दिया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

छत्तीसगढ़ में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भारी उत्साह

» कोरबा पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सुनने को जुटी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोरबा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूर्वोत्तर के मणिपुर से शुरू हुई। जो अब छत्तीसगढ़ में चल रही है। इसी क्रम में राहुल गांधी की यात्रा कोरबा पहुंच गई है। यात्र के दौरान अपरा भीड़ जुटी। कांग्रेस सांसद राहुल को सुनने के लिए लोग लालायित रहे। जानकारी के लिए बता दें कि 11 फरवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ के रायगढ़ पहुंची।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ में प्रवेश करते ही विवादों का दौर शुरू हो गया है। रेंगालपाली सभा स्थल के आस-पास दीवारों पर लिखे नारों को लेकर समर्थक आपस में भिड़ गए। कई दीवारों पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का भी नाम मिटाकर पूर्व मंत्री उमेश पटेल का नाम लिख दिया गया। नाम लिखने को लेकर वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। 13 फरवरी को जिला सरगुजा के रायगढ़ बस स्टैंड चौक (उदयपुर) से पदयात्रा शुरू होगी और रात्रि विश्राम झींगो जिला बलरामपुर में होगी। 14 फरवरी को जिला बलरामपुर के पुराना सर्किट हाउस से पदयात्रा प्रारंभ होगी, जिसका समापन छत्तीसगढ़ की सीमा रामानुजगंज जिला बलरामपुर में होगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की ओर से झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को राष्ट्रीय ध्वज देंगे। रायगढ़ खरसिया, सक्ती, कोरबा से लेकर अंबिकापुर, रामानुजगंज तक ऐतिहासिक स्वागत की तैयारियां की गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और वरिष्ठ नेतागण यात्रा की तैयारियो को स्वंय निगरानी कर रहे हैं।

नारी न्याया यात्रा से महिलाओं को यूपी में जोड़ेंगे

भाजपा सरकार में बढ़ रहा महिलाओं का उत्पीड़न : लांबा

लखनऊ। यूपी कांग्रेस मुख्यालय में नारी न्याय सम्मेल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अलका लांबा ने भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा महिलाओं की बात करनेवाली मोदी सरकार के कार्यकाल में महिला खिलाड़ियों का उत्पीड़न होता रहा पर सरकार सोई रहीं। उन्होंने कहा कि 75 साल में हमे केवल एक ही महिला मुख्यमंत्री मिली ममता बनर्जी। राहुल गांधी जी ने कहा था की अगर ये आरक्षण लागू हो गया होता तो आज कई महिला मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बनती। यूपी में डबल इंजन की सरकार है लेकिन महिला अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने अगे कहा की, जब तक ब्रज भूषण जेल नही जाता तब तक ये लड़ाई चलेगी। राम दुलारे जो भाजपा विधायक है उसे क्यों फांसी नही मिली क्यों उम्र कैद दी गई।

कांग्रेस सांसद साहू से ईडी ने की पूछताछ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले में झारखंड के कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। रविवार को उनसे पांच घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साहू पूछताछ के लिए लगातार दूसरे दिन ईडी के सामने पेश हुए। इससे एक दिन पहले उनसे करीब ग्यारह घंटों तक पूछताछ चली थी। उन्होंने बताया कि साहू ने दोपहर करीब तीन बजे ईडी के दफ्तर में प्रवेश किया और रात साढ़े आठ बजे बाहर आए। साहू ने ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद पत्रकारों से कहा, कुछ कागजी कार्रवाई कार्रवाई चल रही थी। मैं सहयोग कर रहा था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, कोई सवाल नहीं थे। मैंने अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि ईडी ने सोरेन के साथ कथित संबंधों और एक लग्जरी कार को लेकर साहू का बयान दर्ज किया है। एजेंसी के अधिकारियों ने पिछले हफ्ते झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन के आवास से लग्जरी कार जब्त की थी। छापेमारी पूरी करने के बाद अधिकारी कार को अपने साथ ले गए थे।

बस-कार में टक्कर से लगी आग, जिंदा जले पांच लोग

» मथुरा में बड़ा हादसा, मौके पर पहुंची पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मथुरा के मांट क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर आज सुबह तड़के माइल स्टोन 117 अचानक से बस और एक कार में आग लग गई। सवारियों ने आनन फानन में बस से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं कार सवार चार लोग जिंदा जल गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। आग पर काबू पा लिया गया है। मरने वालों की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। आज सुबह तड़के थाना महावन क्षेत्र के अंतर्गत माइल स्टोन 117 पर अचानक से एक बस और कार में भीषण आग लग गई। बस की सवारियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। बताया गया है कार सवार अंदर ही फंस गए। कार में चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। एसएससी शैलेश कुमार पांडेय के अनुसार आग बुझाने का कार्य अभी जारी है।

कार में चार लोगों के शव दिख रहे हैं। पांचवा शव हो सकता है कार के अंदर हो। मगर, अभी इस बात की पुष्टि नहीं की जा रही है। आगरा की ओर से नोएडा जा रही प्राइवेट वॉल्वो बस का पहिया अचानक पंचर हो गया। इससे बस अनियंत्रित होकर सड़क पर तिरछी हो गई। इसी बीच पीछे से आ रही एक स्विफ्ट कार उसमे जा भिड़ी। घटना सोमवार सुबह करीब पौने आठ बजे हुई। देखते ही देखते दोनों वाहनों में आग लग गई। यमुना एक्सप्रेस-वे पर जाम लग गया। सूचना पर दमकल पहुंची। तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। घटना में बस सवार यात्री तो सुरक्षित निकाल लिए गए। लेकिन कार सवार पांच यात्री उसी में जल गए। अभी कार और मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

डीप्टी सीएम भी मंत्री ही : सुप्रीम कोर्ट

» राज्यों में नियुक्ति करना गलत नहीं, याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की प्रथा को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को आज खारिज कर दिया है। अलग-अलग राज्यों में उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिस पर आज कोर्ट ने बड़ी बात कही है।

याचिकाकर्ता का कहना था कि उपमुख्यमंत्री का पद संविधान में नहीं लिखा है। चीफ जस्टिस ने इस पर कहा कि उपमुख्यमंत्री भी मंत्री ही होता है। पद को कोई नाम दे देने से संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि उपमुख्यमंत्री का पदनाम संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में दो-दो उपमुख्यमंत्री बनाए गये हैं जिसको लेकर बहस होती रहती है।

हल्द्वानी हिंसा मामले की निष्पक्ष जांच हो : यशपाल

» सीएम से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कांग्रेस की राज्य इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और हल्द्वानी हिंसा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से बनभूलपुरा मामले में चर्चा की।

प्रतिनिधिमण्डल में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, विधायक प्रीतम सिंह, भुवन कापड़ी, फुरकान अहमद,

आदेश चौहान, ममता राकेश एवं सुमित हृदयेश भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि राज्य सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को यह भी बताया कि घटना की जांच के लिए कुमाऊं के आयुक्त को मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं। धामी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा। प्रतिनिधिमण्डल ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों का वे भी समर्थन नहीं करते हैं।

मप्र के पटाखा कारखाने में विस्फोट का मामला

तीन और लोग गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 150 किलोमीटर दूर हरदा शहर के बाहरी इलाके मगरधा रोड पर बैरागढ़ इलाके स्थित एक पटाखा कारखाने में सात फरवरी को एक विस्फोट और उसके बाद आग लगने से 13 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक घायल हो गए थे। मध्य प्रदेश के हरदा शहर में पटाखा कारखाने में विस्फोट और आग लगने के मामले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे ने बताया कि अब तक इस मामले में कारखाने के दो मालिकों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अमन तमखाने (31) और आशीष तमखाने (35) को शनिवार को गिरफ्तार किया, जबकि अभिषेक अग्रवाल (34) को रविवार को गिरफ्तार किया गया।

बंगाल विस में बवाल, बीजेपी के 6 विधायक सस्पेंड

» संदेशखाली हिंसा को लेकर हंगामा

» महिलाओं की आवाज उठाने का मिला गिफ्ट : शुभेंदु अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल विधानसभा से छह बीजेपी विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसमें नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, अग्निमित्र पाल, शंकर घोष, तापसी मंडल, बंकिम घोष और मिहिर गोस्वामी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा है कि ये कार्रवाई संदेशखाली हिंसा के खिलाफ बोलने को लेकर हुई है, विधायकों का सस्पेंशन विधानसभा के भीतर अनुशासनहीनता और शोर-शराबे भरा व्यवहार करने को लेकर हुआ है। विधायकों का सस्पेंशन राज्य विधानसभा के नियम 348 के तहत किया गया है।

यह प्रस्ताव पश्चिम बंगाल के संसदीय कार्य मंत्री सोवन्देब चट्टोपाध्याय द्वारा पेश किया गया और स्पीकर के जरिए सदन के समक्ष रखा गया। इसके बाद विधायकों के सस्पेंशन का प्रस्ताव पारित हो गया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक और मंत्री सोवनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि छह बीजेपी विधायकों को निलंबित किया जाना चाहिए. विधायकों को वर्तमान सत्र की बची हुई अवधि से निलंबित किया गया है।

अशोक चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उन्होंने विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया। चव्हाण अब बीजेपी में शामिल सकते हैं। अशोक चव्हाण के साथ इस वक्त 2 से 4 कांग्रेस विधायक भी हैं। इन विधायकों के भी बीजेपी में शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस के नगरसेवक भी बीजेपी में शामिल होंगे। बीजेपी अशोक चव्हाण को महाराष्ट्र से राज्यसभा भेज सकती है। अशोक चव्हाण के इस्तीफे से पहले मिलिंद देवड़ा और बाबा सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। सिद्दीकी अजित पवार गुट की एनसीपी में शामिल

हुए हैं। वहीं देवड़ा शिंदे ने की शिवसेना में शामिल हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, अशोक चव्हाण महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले से नाराज थे। सूत्रों ने बताया कि उन्हें पार्टी ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।